Q.P. Code – 42202

Second Semester B.Sc. Degree Examination, April/May 2019

(CBCS Scheme)

Language Hindi

KAVYA, COMPREHENSION, TRANSLATION

Time : 3 Hours] *[Max. Marks : 90*

I. एक शब्द या वाक्य में उत्तर लिखिए। **(10 × 1 = 10)**

1. कौन-सा वृक्ष अपने चिकने पत्तों को देखकर घमंड करता है?
2. मछली किसके प्रति अपना मोह नहीं छोड़ती?
3. श्री कृष्ण कहाँ पर प्रकट हुए?
4. सब की नसों में किसका पुण्य रक्त प्रवाह हो?
5. विकल होकर, नींद के पल कौन खोजती है?
6. मृत्युलोक में विष्णु के प्रिय भक्त कौन है?
7. कवि कौन-सी तान सुनाने के लिए कहते हैं?
8. कौन अंगारों का मधु-रस पी कर केशर-किरणों सा झूम रहा हैं?
9. कवि के लिए आम्बर अब क्या हो चुका है?
10. 'तुमुल कोलाहल कलह में' कविता के कवि कौन हैं?

II. किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(3 × 7 = 21)**

1. रहिमन खोजे ऊख मे, जहां रसन की खानि।
   जहां गांठ तहं रस नहीं, यही प्रीति में हानि।।

2. खीझत जात माखन खात।
   अरुन लोचन भौंह टेढ़ी बार बार जँभात
   कबहुँ रुनझुन चलन घुटुरनि धरि धूसर गात।
   कबहुँ झुकि कै अलक खैंचत नैन जल भरि जात।
   कबहुँ तोतर बोल बोलत कबहुँ बोलत तात।
   सूर हरि की निरखि सोभा निमिष तजत न मात।

3. सुख और दुख में एक सा सब भाइयों का भाग हो,
   अन्तः करण में गूंजता राष्ट्रीयता का राग हो।

4. जहाँ मरु-ज्वाला धधकती,
   चातकी कन को तरसती,
   उन्हीं जीवन-घटियों की,
   मैं सरस बरसात रे मन।

III. किसी **एक** कविता का सारांश लिखिए। **(1 × 16 = 16)**

1. विप्लव गान
2. सब आँखों के आँसू उजले

IV. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए। **(3 × 6 = 18)**

1. श्री कृष्ण का गोकुल में आगमन
2. क्या करूँ संवेदना लेकर तुम्हारी
3. शुभकामना
4. युग चेतना

V. निम्नलिखित अवतरण पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3 × 5 = 15)**

पोंगल पर्व मनाने के संदर्भ में एक कथा भगवान श्री कृष्ण और इंद्र को लेकर प्रचलित है। परंपराओं के अनुसार फसल काटने के समय यह त्योहार लगातार चार दिन तक मनाया जाता है। पहला दिन भोगी पोंगल, दूसरा दिन सूर्या पोंगल, तीसरा दिन मनु पोंगल तथा चौथा दिन कनुन पोंगल के रूप में मनाया जाता है। पोंगल 14 जनवरी से प्रारंभ होकर 17 जनवरी तक बड़े हर्षोल्लास के साथ माना जाता है। प्रथम दिन भोगी पोंगल देवराज इंद्र को प्रसन्न करने के लिए होता है, क्यों की इंद्र देव के प्रसन्न होने पर ही समय-समय पर वर्षा होती है और वर्षा से ही फसलों का अच्छा उत्पादन होता है तथा धरती हरी-भरी होती है। इस उत्सव को सभी नाच-गाकर मनाते है। दूसरे दिन सूर्या पोंगल मनाया जाता है। इस दिन सभी लोग मिट्टी की हाँडियों में दूध-चावल मिलाकर पकाते हैं। बाद में सूर्य भगवान को इसका भोग लगाया जाता है। तीसरे दिन मनु पोंगल में गायों और भैंसो को खूब सजाया सवाँरा जाता है। इनके प्रति सभी अपनी आस्था व्यक्त करते हैं, क्यों कि इन्हीं की मदद से कृषि कार्य सम्पन्न होता है। अंतिम दिन सभी लोग रंग-बिरंगे, नए-नए कपड़े पहनकर घूमने के लिए बाहर जाते हैं।

1. परम्पराओं के अनुसार पोंगल कब और कितने दिनों तक मनाया जाता है, और उनको किस नाम से जाना जाता है?
2. प्रथम दिन पोंगल को क्या कहते है? किसको प्रसन्न करने के लिए और कैसे मनाया जाता है?
3. दूसरे दिन के पोंगल को क्या कहते हैं और इसे कैसे मनाया जाता है?
4. तीसरे और अंतिम दिन पोंगल को कैसे मानाया जाता है और इसे क्या कहते है?

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए। **(10 × 1 = 10)**

1.	Abductor	2.	Bacteria
3.	Capsule	4.	Density
5.	Ecology	6.	Factor
7.	Hybrid	8.	Machine control
9.	Object	10.	Normal

———————